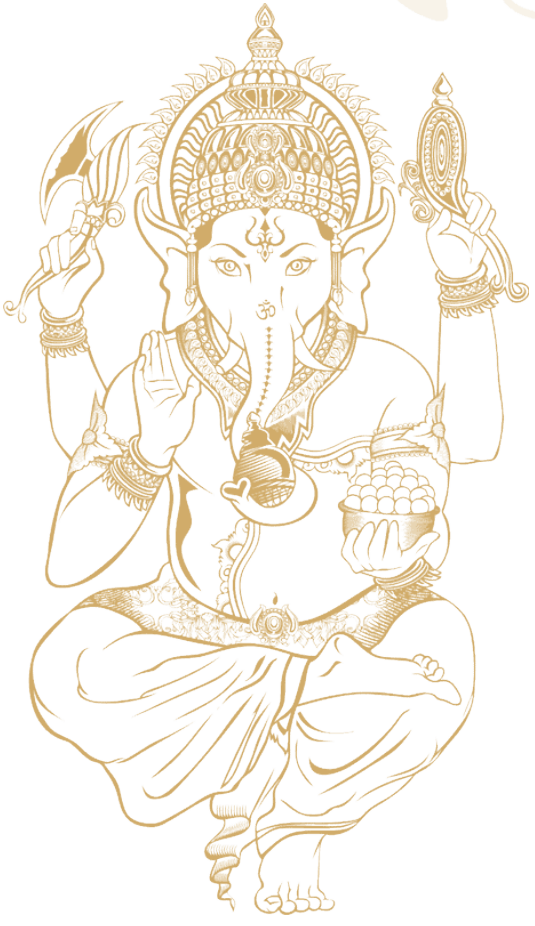

Saurabh Shukla

Divya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121135003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/07/1993	जन्म तिथि	25/09/1997
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	10:10:00 घंटे
घटी 11:07:57	जन्म समय(घटी)	10:28:39 घटी
India	देश	India
Kanpur	स्थान	Unnao
26:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:32:00 उत्तर
80:19:00 पूर्व	रेखांश	80:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:44	स्थानिक संस्कार	-00:08:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:49	सूर्योदय	05:57:48
18:57:03	सूर्यास्त	18:01:12
23:46:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 10मा 8दि	11:17:16	कन्या	लग्न	वृश्चि	02:52:52	गुरु 7वर्ष 3मा 27दि
चन्द्र	13:15:40	कर्क	सूर्य	कन्या	08:19:39	बुध
07/06/2024	04:04:57	धनु	चंद्र	मिथु	27:13:45	22/01/2024
08/06/2034	28:13:25	सिंह	मंगल	वृश्चि	03:34:42	21/01/2041
चन्द्र 08/04/2025	25:18:32	मिथु	बुध	सिंह	23:48:50	बुध 20/06/2026
मंगल 07/11/2025	15:42:57	कन्या	गुरु व	मक	18:32:54	केतु 17/06/2027
राहु 09/05/2027	03:04:57	मिथु	शुक्र	तुला	21:17:20	शुक्र 17/04/2030
गुरु 07/09/2028	04:41:38	कुंभ व	शनि व	मीन	24:14:38	सूर्य 21/02/2031
शनि 08/04/2030	17:05:19	वृश्चि व	राहु	सिंह	25:52:11	चन्द्र 23/07/2032
बुध 07/09/2031	17:05:19	वृष व	केतु	कुंभ	25:52:11	मंगल 20/07/2033
केतु 07/04/2032	25:44:31	धनु व	हर्ष व	मक	11:03:54	राहु 06/02/2036
शुक्र 07/12/2033	25:30:53	धनु व	नेप व	मक	03:24:33	गुरु 14/05/2038
सूर्य 08/06/2034	28:57:09	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	09:30:22	शनि 21/01/2041

लग्न-चलित

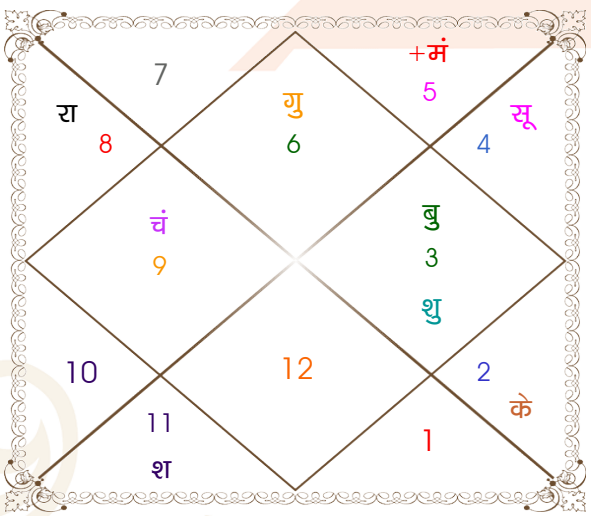

लग्न-चलित

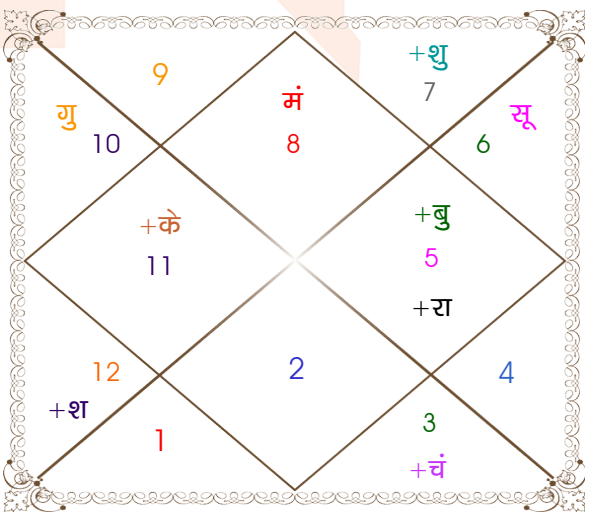

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

ँनतंईौनासं का वर्ग मृग है तथा क्पअलं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारँनतंईौनासं और क्पअलं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ँनतंईौनासं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

क्पअलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पअलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहुँनतंईौनासं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनतंझीैनासं तथा क्पअलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।